भा.कृ.अ.नु.प.- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,

खंडवा रोड, इंदौर-452001 **(म.प्र.)**

फाइल न.: स्थापना दिवस/प्रेस विज्ञप्ति/2025/ दिनांक: 11/12/2025

1. **प्रेस नोट : भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर ने मनाया अपना 3**9**वें स्थापना दिवस**
2. **प्रेस नोट : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) बनाकर किसान सोयाबीन के बाजारभाव पर नियंत्रण करें.**
3. **प्रेस नोट : विदेशी सोयाबीन जनन्द्रव्यों को स्थानीय जलवायु परिस्थिति में करे विमोचित**
4. **भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर ने मनाया अपना 3**9**वें स्थापना दिवस**

देश में सोयाबीन अनुसन्धान एवं विकास कार्यक्रमों के लिए लोकप्रिय भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान ने अपने इंदौर स्थित परिसर में दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को 39वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा (राजस्थान) के पूर्व कुलपति डॉ.ए.के.व्यास, संस्थान के भूतपूर्व निदेशक, डॉ.वी.एस.भाटिया तथा सोपा के कार्यकारी निदेशक श्री डी. एन. पाठक एवं ही रिच सोया सीड कंपनी के डॉ जगदीश कुमार उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. संजीव गुप्ता, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) कार्यक्रम के विशेष अतिथि जबकि उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) माननीय डॉ डी. के. यादव द्वारा ऑनलाइन मोड से संबोधित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक, डॉ. कुँवर हरेन्द्र सिंह द्वारा संस्थान की शोध उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि सोयाबीन के प्रजनक बीज के राष्ट्रीय मांगपत्र में संस्थान की किस्मों योगदान 2% से 12 % तक की वृद्धि हुई तथा गुजरात, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में सोयाबीन के क्षेत्रफल में वृद्धि देखी गई। उन्होंने यह भी बताया कि विगत 3 वर्षो से संस्थान द्वारा छोटी-छोटी थैलियों और सीमित मात्रा में सोयाबीन की नवीनतम किस्मों को दिसम्बर माह के दौरान प्रदान करने से किसान ग्रीष्मकालीन बीजोत्पादन कार्यक्रम अपनाकर लगभग 1 क्विंटल तक बीज बना रहे हैं और उसी को खरीफ के दौरान बोवनी हेतु उपयोग करने से नई एन.आर.सी. 150 जैसी किस्में धीरे-धीरे किसानों में लोकप्रिय हो रही हैं जिससे किसान 20-25 क्विंटल उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक (तिलहन और दलहन), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने सोयाबीन को एक अद्भुत फसल बताया जिसमे 150 से ज्यादा उत्पाद बनते हैं, उन्होंने सोयाबीन की सफलता की गाथा का संग्रहालय बनाने को कहा, साथ ही सोयाबीन में लगने वाली रायजोक्टोनिया एवं मेक्रोफोमिना को एक प्रमुख समस्या बताया और उसके प्रबंधन करने पर विशेष जोर दिया, उन्होंने यह भी बताया की सोयाबीन की खेती में अपार संभावनाएं हैं जिसे मालवा से मालाबार तक लेकर जाना है।

इसी प्रकार डॉ.ए.के.व्यास, पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा (राजस्थान) ने सोयाबीन की स्मार्ट खेती एवं इसके प्रसंस्करण, टेक्नोलॉजी/डाटा ड्रिवेन खेती पर जोर दिया क्योंकि इससे उत्पादकता बढती है एवं लागत मूल्य घटता है. उन्होंने वन हेल्थ कांसेप्ट एवं जलवायु अनुकूल सोयाबीन की खेती करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष, उप कुलपति, एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर, डॉ. एस.पी.तिवारी ने किसानों के स्तर पर मूल्य संवर्धन करने की आवश्यकता है तथा कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) बनाकर किसान सोयाबीन के बाजारभाव में स्थिरता ला सकते हैं.इसलिए इसमें सेवा क्षेत्र को जोड़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) माननीय डॉ डी. के. यादव ने देश की कृषि उपलब्धियों पर ऑनलाइन मोड से संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ तिलहनी फसलों का उत्पादन भी अच्छा रहा। उनके अनुसार सोयाबीन में विदेशी (एक्सोटिक) जनन्द्रव्य को स्थानीय जलवायु में परिक्षण पश्चात एक किस्म की तरह विमोचित कर सकते हैं। उन्होंने सोयाबीन में उत्पादकता वृद्धि हेतु बीजोपचार को बढ़ावा देने, जनरेशन एडवांसमेंट के लिए स्पीड ब्रीडिंग जैसे अत्याधुनिक तरीकों को अपनाने, नकली कृषि दवाइयों की पहचान के लिए रैपिड डिटेक्शन किट का विकास, सोयाबीन की खेती में बी बी एफ एवं ड्रोन का इस्तेमाल करने, बीज उपलब्धता के लिए उपलब्ध सारथी पोर्टल का इस्तेमाल करने पर जोर दिया।

इस स्थापना दिवस के अवसर पर अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स आधारित मोबाइल एप "सोयाबीन ज्ञान" समेत **कुल पांच** प्रकाशन "सोयाबीन की माहवार कृषि कार्यमाला (2026)" राजभाषा पत्रिका "सोय वृतिका", विस्तार बुलेटिन "सोयाबीन खेती के उन्नत तरीके, नवीनतम पद्दतियां एवं तकनिकी अनुशंसाए" तकनिकी बुलेटिन "सोया कृषकों के लिए

साप्ताहिक सलाह-खरीफ 2025" तथा "अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत प्रगतिशील किसानों की सफलता की गाथा" शामिल हैं। तत्पश्चात संस्थान से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जिन्होंने सोयाबीन की फसल और संस्थान के समग्र विकास में योगदान दिया है। साथ ही विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के संस्थान की अनुसूचित जाति उपयोजना, अनुसूचित जनजाति उपयोजना और अन्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले 7 प्रगतिशील किसानों को "**प्रगतिशील कृषक सम्मान**" से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री प्रियंका सावन तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ.बी.यु.दुपारे द्वारा किया गया।

ADG (Oilseed &...
Dr.Suresh Solida...
Ravi
ICAR-NSRI,Indore
ICAR-IISR Host
ADG (Oilseed & Pulse...
Dr.Suresh Solidaridad
Activate Windows